IIT इंदौर ने विकसित किया एस्पायर एचएलएस

चिप डिजाइन को तेज और आसान बनाने वाला स्वदेशी टूल

नवभारत न्यूज

इंदौर. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर के शोधकर्ताओं ने कंप्यूटर चिप डिजाइन की प्रक्रिया को तेज और आसान बनाने के लिए 'एस्पायर एचएलएस' नामक स्वदेशी सॉफ्टवेयर टूल विकसित किया है. संस्थान के अनुसार यह टूल इंजीनियरों को स्मार्टफोन, कैमरा, म्यूजिक सिस्टम सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इस्तेमाल होने वाली चिप के डिजाइन को कम समय और कम मानवीय हस्तक्षेप में तैयार करने में मदद करेगा.

इस तकनीक को आईआईटी इंदौर के संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की हार्डवेयर सिक्योरिटी एंड रिलायबिलिटी लैब में प्रोफेसर अनिर्बन सेनगुप्ता और उनकी टीम ने करीब 10 वर्षों के शोध के बाद विकसित किया है. एस्पायर एचएलएस को विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के लिए निःशुल्क एवं सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है.

60 से अधिक देशों में डाउनलोड- आईआईटी इंदौर के मुताबिक सार्वजनिक रूप से जारी किए जाने के बाद एस्पायर एचएलएस के उत्पाद पैकेज, जिसमें बेंचमार्क और ट्यूटोरियल भी शामिल हैं, को अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका के 60 से अधिक देशों में उपयोगकर्ताओं ने डाउनलोड किया है. इनमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, सिंगापुर, चीन, जापान, जर्मनी, रूस, स्पेन, ब्राजील, वियतनाम और संयुक्त अरब अमीरात समेत कई देश शामिल हैं.

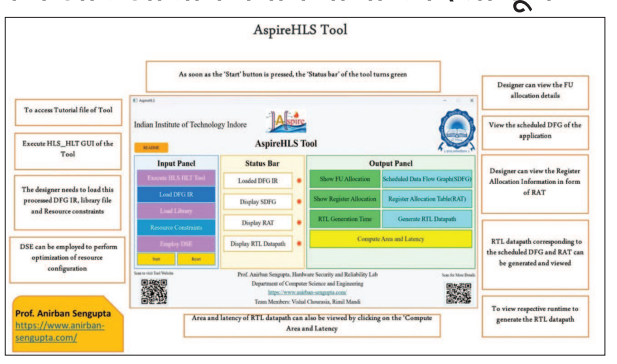

वैश्विक उपयोगिता पर जोर

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि एस्पायर एचएलएस स्वदेशी तकनीक के विकास और वैश्विक स्तर पर उपयोगी नवाचार के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का उदाहरण है. उन्होंने कहा कि कम समय में 60 से अधिक देशों में इसके डाउनलोड होना इस शोध की वैश्विक उपयोगिता को दर्शाता है.

प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने में करता है मदद

एस्पायर एचएलएस के विकास का नेतृत्व करने वाले प्रो. अनिर्बन सेनगुप्ता ने बताया कि यह डिजिटल हार्डवेयर प्रणालियों के डिजाइन के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध एंड-टू-एंड हाई-लेवल सिंथेसिस टूल है. इसे विशेष रूप से डीएसपी और मल्टीमीडिया जैसे डेटा-इंटेंसिव एप्लीकेशन को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है. यह सी कोड अथवा डेटा फ्लो ग्राफ जैसे उच्च-स्तरीय इनपुट के साथ काम कर सकता है और चिप डिजाइन की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित एवं स्वचालित बनाने में मदद करता है.

चिप डिजाइन की जटिल प्रक्रिया होगी आसान

कंप्यूटर चिप तैयार करने की प्रक्रिया में पहले उसके काम करने की रूपरेखा तैयार की जाती है और फिर उसे निर्माण योग्य सर्किट डिजाइन में बदला जाता है। यह प्रक्रिया तकनीकी रूप से जटिल होने के साथ समय लेने वाली भी होती है. एस्पायर एचएलएस इस प्रक्रिया के एक महत्वपूर्ण हिस्से को स्वचालित करता है और उच्च-स्तरीय चिप डिजाइन को निर्माण योग्य विस्तृत सर्किट ब्लूप्रिंट में बदलने में सहायता करता है. टूल की एक प्रमुख विशेषता चिप के क्षेत्रफल (स्पेस) और कार्यक्षमता/गति के बीच बेहतर संतुलन तलाशना है. इससे इंजीनियर अपनी जरूरत के अनुसार अधिक प्रभावी चिप डिजाइन तैयार कर सकते हैं.

समाज को राष्ट्रीय चरित्र को मजबूत करना होगा

द राइजिंग भारत संगोष्ठी में भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक शक्ति पर मंथन

नवभारत न्यूज़

इंदौर. वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ हिंदू एकेडेमिशियन्स (डब्ल्यूएएचए) की ओर से शनिवार को डेली कॉलेज में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी द राइजिंग भारत: ज्ञानं परमं बलम्' का आयोजन किया गया. संगोष्ठी में देशभर से प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, चिंतक, नीति-विशेषज्ञ और विभिन्न क्षेत्रों के विद्वान शामिल हुए. कार्यक्रम में 600 से अधिक पीएचडी धारकों ने भी सहभागिता की.

संगोष्ठी में भारत की वैचारिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक शक्ति को समकालीन विमर्श के केंद्र में रखते हुए विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया. वक्ताओं ने भारत की ज्ञान परंपरा, सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक पहचान और वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका पर अपने विचार रखे. संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं विश्व हिंदू परिषद के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि महर्षि अरविंद के विचारों के अनुरूप भारत को विश्व का मार्गदर्शन करना है और देश उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि समाज के सामने मौजूद वैचारिक चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरे समाज को अपना राष्ट्रीय चरित्र मजबूत करना होगा.

महिला विमर्श में भारतीय चिंतन पर चर्चा- महिला विमर्श सत्र में 'भारतीय चिंतन और वर्तमान' विषय पर चर्चा हुई. डॉ. नुपुर निखिल देशकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान की परंपरा प्राचीन काल से रही है. उन्होंने कहा कि महिलाओं ने गृह कार्य के साथ सामाजिक दायित्व, अर्थव्यवस्था, प्रबंधन, शक्ति प्रदर्शन और वैचारिक क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान पर चिंतन

जनजातीय विमर्श सत्र में प्रकाश उइके और लक्ष्मण सिंह मरकाम ने जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान और समकालीन चुनौतियों पर विचार रखे. वक्ताओं ने जनजातीय समाज की परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और वर्तमान समय में उसके समक्ष उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा की.

भारतीय अर्थव्यवस्था और वैश्विक बाजार पर चर्चा

'भारतीय अर्थव्यवस्था एवं ग्लोबल मार्केट फोर्सेज' विषय पर आयोजित सत्र में प्रफुल्ल केतकर और जितेंद्र गुप्ता ने विचार साझा किए. वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, बाजार की बदलती शक्तियों व भारत की अर्थव्यवस्था की संभावनाओं पर विमर्श किया. संत ओमानंद महाराज, विनोद अग्रवाल, पद्मश्री कालूराम बामनिया, भालचंद्र दत्तात्रय मोंडे, डॉ. राकेश सिंघाई, डॉ. राजेश चावला और विक्रम सिंह पवार सहित अन्य गणमान्यजन मंचासीन रहे. राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य भारत की ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और बौद्धिक चिंतन को समकालीन संदर्भों से जोड़ते हुए देश की वैश्विक भूमिका पर सार्थक विमर्श को आगे बढ़ाना रहा.

2029 तक संगठित अपराध पर पूरी तरह अंकुश का लक्ष्य : सीएम

नवभारत न्यूज़

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को इंदौर पहुंचे. एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने प्रदेश में संगठित अपराध और नशे के कारोबार के खिलाफ सरकार की रणनीति को लेकर बड़ा बयान दिया. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2029 तक संगठित अपराध पर पूरी तरह प्रभावी अंकुश लगाना है.

डॉ. यादव ने हाल ही में इंदौर में सात राज्यों के डीजीपी की बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरराज्यीय अपराध पर प्रभावी कार्रवाई के लिए राज्यों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है. नशे के कारोबार और संगठित अपराध से जुड़े गिरोह कई राज्यों में नेटवर्क संचालित करते हैं. ऐसे में सूचनाओं के आदान-प्रदान और संयुक्त कार्रवाई के जरिए इनके नेटवर्क को तोड़ने में मदद मिलेगी.

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने संगठित अपराध और नशे के नेटवर्क से जुड़े कई गिरोहों पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है. सरकार का फोकस केवल आरोपियों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है, बल्कि अपराध के पूरे नेटवर्क और उसकी सप्लाई चेन को ध्वस्त करने पर है. उन्होंने कहा कि सात राज्यों के बीच समन्वय मजबूत होने से अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने और एक राज्य से दूसरे राज्य तक फैले नेटवर्क पर कार्रवाई करना आसान होगा. सरकार नशे के अवैध कारोबार और संगठित अपराध के खिलाफ अभियान को लगातार तेज कर रही है.

तालमेल से मिलेगी सफलता

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि राज्यों के बीच बेहतर तालमेल से संगठित अपराध और नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में और सफलता मिलेगी. उन्होंने स्पष्ट किया कि अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए कार्रवाई लगातार जारी रहेगी.

योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाएं

सांसद ने अधिकारियों को दिए निर्देश

इंदौर. कलेक्टर सभागृह में शनिवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में आयोजित हुई. बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई.

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता एवं जनभागीदारी से जुड़े प्रयासों की समीक्षा की गई. इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, पात्र हितग्राहियों का चयन, योजना के लाभ का वितरण तथा जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभाव की समीक्षा की गई. सांसद ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य तभी सफल होगा, जब उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचे. सांसद ने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों, लंबित प्रकरणों एवं आवश्यक समन्वय के संबंध में जानकारी लेते हुए समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि इंदौर देश के प्रमुख विकसित शहरों में शामिल है और यहां विकास कार्यों के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी प्राथमिकता है. केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर तरीके से लागू करते हुए अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिलना चाहिए. बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय, इंदौर विकास प्राधिकरण के सीईओ परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु प्रजापति, नगर निगम के अपर आयुक्त आकाश सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.

एक नजर में

रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा : लक्ज़री का बेहतरीन अंदाज़

इंदौर. रेंज रोवर ने रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा को पेश किया है, जो रेंज रोवर की लक्ज़री और सर्वोच्च विशिष्टता है. उन्नत फिनिश को विश्व की पहली ऑडियो तकनीक के साथ जोड़ते हुए, एसवी अल्ट्रा अब तक बनाई गई सबसे लग्ज़रीयस और तकनीकी रूप से सबसे उन्नत रेंज रोवर है. रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा में इमर्सिव ऑडियो तकनीकों की श्रृंखला में अब क्रांतिकारी एसवी इलेक्ट्रोस्टेटिक साउंड भी शामिल है, जो केबिन को एक कॉन्सर्ट हॉल में बदल देती है, साथ ही बॉडी एंड सोल सीट्स और सेंसरी हैप्टिक फ्लोर भी उपलब्ध हैं. एसवी इलेक्ट्रोस्टेटिक साउंड किसी वाहन में इलेक्ट्रोस्टेटिक ऑडियो तकनीक का विश्व का पहला अनुप्रयोग है. राजन अंबा, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएलआर इंडिया ने कहा रेंज रोवर एसवी अल्ट्रा, रेंज रोवर लक्ज़री के शिखर का प्रतिनिधित्व करता है, जो सबसे एक्सक्लूसिव डिज़ाइन डिटेल्स को ब्रेकथ्रू इनोवेशन के साथ जोड़ता है. नया एसवी इलेक्ट्रोस्टेटिक साउंड सिस्टम यह सुनिश्चित करता है कि हर सामंजस्यपूर्ण सुर और स्पष्ट डिटेल यात्री को हर परफॉर्मेंस के केंद्र में रखे, और संगीत को वैसे ही पुन: प्रस्तुत करे जैसा कलाकार ने इरादा किया था.

ऑल-न्यू पल्सर एन160 एस व एन160 एसएस लॉन्च

इंदौर. दुनिया की सबसे मूल्यवान टू और थ्री-व्हीलर निर्माता कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड ने आज ऑल-न्यू पल्सर एन160 एस और पल्सर एन160 एसएस के लॉन्च की घोषणा की. इसके साथ कंपनी ने अपनी बेहद सफल पल्सर एन160 रेंज का विस्तार किया है. 160सीसी कैटेगरी में नया बेंचमार्क स्थापित करने के लिए तैयार की गई ये नई मोटरसाइकिलें सहज इंटेलिजेंस, रोमांचक परफॉर्मेंस, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और दमदार स्टाइलिंग का मेल हैं. ये नई पीढ़ी के परफॉर्मेंस के शौकीनों को रोमांच से भरपूर राइडिंग अनुभव प्रदान करती हैं. बजाज ऑटो लिमिटेड के टू-व्हीलर बिजनेस यूनिट के चीफ बिजनेस ऑफिसर, सारंग कानडे ने कहा पल्सर एन160 प्लेटफॉर्म को देशभर के राइडर्स से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और यह अपने सेगमेंट में सबसे शानदार प्रदर्शन करने वाले मॉडल्स में से एक है. नई एन160 एस और फ्लैगशिप एन160 एसएस को पेश करके हम इस सफलता को और आगे बढ़ा रहे हैं. इंटेलिजेंट थ्रॉटल (ईटीबी) इस नई जेनरेशन की बुनियाद है, जो सेगमेंट में बेहतरीन परफॉर्मेंस देने के साथ रिस्पॉन्सिव राइड मोड्स, क्रॉल टेक्नोलॉजी और रिस्पॉन्सिव ट्रैक्शन कंट्रोल जैसी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी को सक्षम बनाता है.

अमेज़न पर अपने इंडिपेंडेंस डे स्टाइल को खोजें

इंदौर. अमेजन .इन 7 अगस्त 2026 से शुरू होने वाली अमेज़न ग्रेट फ्रीडम सेल के साथ ग्राहकों के लिए शानदार डील्स, नए लॉन्चेज और अविश्वसनीय बचत लाने के लिए पूरी तरह तैयार है. ग्राहक फैशन और ब्यूटी पर 80% तक की छूट का आनंद लेते हुए परिधान, फुटवियर, घड़ियों, लगेज, ज्वेलरी, ब्यूटी और ग्रूमिंग के नवीनतम ट्रेंड्स को एक्सप्लोर कर सकते हैं. सेल में प्यूमा, नाइकी, जूक, फॉसिल, जीवा, सेटाफिल, पिलग्रिम, सफारी, डायसन और अन्य 1,500 से अधिक फैशन और ब्यूटी ब्रांड शामिल हैं, जिससे आपके वार्डरोब को रीफ्रेश करना, रूटीन को बेहतर बनाना और ट्रैवल एक्सेसरीज को अपग्रेड करना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है. प्राइम मेंबर्स 15% तक की बचत का आनंद ले सकते हैं. बेहतरीन बचत के अलावा, अमेज़न फैशन एआई-पावर्ड शॉपिंग फीचर्स के साथ खरीदारी को अधिक सहज बनाता है, जिन्हें ग्राहकों को आत्मविश्वास के साथ प्रोडक्ट्स ढूंढने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. रूफ़स के साथ, ग्राहक स्वाभाविक संकेतों के माध्यम से व्यक्तिगत सिफारिशें प्राप्त कर सकते हैं, , जबकि लेंस एआई ग्राहकों को ऑनलाइन या ऑफलाइन फोटो खींचकर तुरंत प्रोडक्ट्स खोजने की सुविधा देता है.

सहाना सिस्टम को रेलटेल प्रोविजनल लेटर ऑफ इंटेंट मिला

इंदौर. आईटी सेवाओं और अत्याधुनिक तकनीकी समाधान प्रदान करने वाली सहाना सिस्टम लिमिटेड को रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड से 69.51 करोड़ की इंटीग्रेटेड गेट ऑटोमेशन सिस्टम परियोजना के लिए प्रोविजनल लेटर ऑफ इंटेंट प्राप्त हुआ है. रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाली नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम रेलटेल ने दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी, कांडला में इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए सहाना सिस्टम को सफल बिजनेस एसोसिएट के रूप में चुना है. यह परियोजना हार्डवेयर इंफ्रास्ट्रक्चर, सॉफ्टवेयर एवं लाइसेंसिंग, इंस्टॉलेशन, परीक्षण, कमीशनिंग तथा पांच वर्षों तक संचालन एवं रखरखाव (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) को शामिल करती है. इस उपलब्धि पर सहाना सिस्टम लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रतीक काकाडिया ने कहा रेलटेल द्वारा इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए बिजनेस एसोसिएट के रूप में चयनित होना हमारे लिए गर्व की बात है. यह प्रोविजनल लेटर ऑफ इंटेंट बड़े पैमाने की तकनीक आधारित अवसंरचना परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने की हमारी क्षमता पर विश्वास को दर्शाता है.

अमेज़न इंडिया की ग्रेट फ्रीडम सेल अब लाइव

इंदौर. अमेज़न 7 अगस्त 2026 से शुरू हो रही अमेज़न ग्रेट फ्रीडम सेल 2026 के साथ ग्राहकों के लिए शानदार डील्स, नए लॉन्चेज और बचत के अवसर लाने के लिए पूरी तरह तैयार है. यह शॉपिंग इवेंट प्रोडक्ट्स की सबसे विस्तृत रेंज पर आकर्षक डील्स, बैंक डिस्काउंट्स और एआई-पावर्ड शॉपिंग एक्सपीरियंस पेश करता है, जो ट्रेंडिंग मेड-इन-इंडिया प्रोडक्ट्स, पारंपरिक हैंडिक्राफ्ट्स, रोज़मर्रा की ज़रूरतों के सामान और नवीनतम इनोवेशन को एक साथ लाता है. ग्राहक सोनी, सैमसंग, एलजी, प्यूमा, डेटॉल, अमेरिकन टूरिस्टर, हिमालया जैसे प्रमुख ब्रांड्स के स्मार्टफोन्स, फैशन, ब्यूटी, होम, किचन, इलेक्ट्रॉनिक्स, बड़े घरेलू उपकरण, ग्रॉसरी, रोज़मर्रा की ज़रूरतों के सामान और अन्य श्रेणियों में प्रोडक्ट्स खोज सकते हैं. इसके अलावा, जो ग्राहक कुछ ही मिनटों में डिलीवरी सेवा की तलाश में हैं, वे अमेज़न नाउ के ज़रिए कई शहरों में ग्रॉसरी (फल-सब्जियाँ और फोजन फूड सहित), पर्सनल केयर, फैशन व ब्यूटी प्रोडक्ट्स से लेकर छोटे उपकरण, होम व किचन प्रोडक्ट्स जैसी हज़ारों रोज़मर्रा की ज़रूरतों का सामान अपने घर तक मंगवा सकते हैं.

शहर की विशिष्ट पहचान के लिए बनेगा मैसकॉट

निगम द्वारा शहर के शुभंकर के लिए प्रतियोगिता आयोजित

नव भारत न्यूज

इंदौर. नगर निगम द्वारा अब स्वच्छता के साथ साथ शहर की विरासत को नई पहचान देने के लिए शुभंकर प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है. उक्त प्रतियोगिता हेतु एक माह तक प्रतियोगियों से ऑनलाइन आवेदन बुलाए जा रहे हैं. इसके बाद शहर का शुभंकर का चयन किया जाएगा.

नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता और सुंदरता के बाद विशिष्ट पहचान के लिए विशेष शुभंकर (मैस्कॉट) प्रतियोगिता शुरू की गई है. इसके लिए कल से लेकर 6 सितंबर तक एक माह में शहर के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को ऑनलाइन नगर निगम की गूगल साइट पर जाकर आवेदन करना होगा. प्रतियोगिता में मिली मैसकॉट (शुभंकर) डिजाइनों में से उत्कृष्ट, रचनात्मक एवं इंदौर की विशिष्ट पहचान को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करने वाले डिजाइन का चयन किया जाएगा. प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी को आकर्षक उपहार एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा. निगम प्रशासन ने शहरवासियों, विद्यार्थियों, युवाओं, कलाकारों, डिजाइनरों तथा रचनात्मक प्रतिभाओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस प्रतियोगिता में भाग ले। साथ ही अपनी कल्पनाशीलता एवं रचनात्मकता के माध्यम से 'स्वच्छ इंदौरस्मार्ट इंदौर' की पहचान को एक नया चेहरा देने में अपना योगदान दें. प्रतिभागी अपने शुभंकर की डिजाइन नगर निगम द्वारा उपलब्ध ऑनलाइन गूगल फॉर्म के माध्यम से 6 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं.

डिजाइन आमंत्रित किए जा रहे

स्वास्थ्य प्रभारी अश्विन शुक्ल ने बताया कि महापौर एवं आयुक्त के निर्देशन में नगर निगम द्वारा स्वच्छ इंदौर एवं स्मार्ट इंदौर की पहचान को एक विशिष्ट और रचनात्मक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से इंदौरी मैसकॉट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है.

उन्होंने कहा कि स्वच्छता और सांस्कृतिक विरासत के साथ इंदौर की विशिष्ट पहचान को एक आकर्षक एवं यादगार शुभंकर (मैसकॉट) द्वारा प्रदर्शित करने के लिए नगर निगम द्वारा शहरवासियों एवं रचनात्मक प्रतिभाओं से मैसकॉट डिजाइन आमंत्रित किए जा रहे हैं।